जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. शेखर सिंह बघेल
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 17
दिनांक 17.01.2023

जनेकृविवि में हितकारिणी महाविद्यालय की छात्राओं ने जाना मृदा जांच, शोध व स्वाइल हेल्थ कार्ड की उपयोगिता

मृदा जांच लैब, जवाहर जैव उर्वरक केन्द्र व औषधीय पौधों की बारीकियो को छात्राओं ने जाना

जबलपुर 17 जनवरी 2023। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय,जबलपुर के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की सद्प्रेरणा एवं आम जनमानस व विद्यार्थियों में कृषि शिक्षा व कृषि विज्ञान के प्रति जानकारी व जागरूकता के दृष्टिकोण से सतत् प्रयास के परिणाम स्वरूप आज हितकारिणी महिला महाविद्यालय जबलपुर की 20–25 छात्राओं के ग्रुप द्वारा विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग व औषधीय गार्डन का भ्रमण किया गया। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल द्वारा महाविद्यालय विद्यार्थियों के लिये विषयान्तर्गत प्रशिक्षण व मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। इसी तारतम्य में हितकारिणी महिला महाविद्यालय, जबलपुर डॉ. सुनंदा जैन विभागाध्यक्ष, विज्ञान विभाग (विभागाध्यक्ष), प्रो. पूजा मिश्रा एवं प्रो. प्रतिक्षा नामदेव द्वारा प्रथम व द्वितीय वर्ष की 20–25 छात्राओं की टीम को जनेकृविवि भ्रमण कराया गया, जहां वैज्ञानिकों ने प्रशिक्षण व मार्गदर्शन प्रदान किया।

मृदा विज्ञान विभाग के आचार्य व विभागाध्यक्ष डॉ. एन.जी. मित्रा के मार्गदर्शन में विभाग में मृदा की जांच, उपयोगिता व नमूने कैसे एकत्र करें, एवं मृदा के परीक्षण हेतु कौन–कौन से उपकरण उपयोग होते है कि विस्तार से जानकारी डॉ. राकेश साहू वैज्ञानिक द्वारा प्रदान की गई, साथ ही जवाहर जैव उर्वरक केन्द्र के वरिष्ट वैज्ञानिक डॉ. शेखर सिंह बघेल ने विश्वविद्यालय के जवाहर उर्वरक केन्द्र द्वारा उत्पादित 16 जैव उर्वरक पर्यावरण अनुकूल, कम लागत व गुणवत्ता युक्त जैसे– जवाहर राइजोबियम, एसिटोबेक्टर, एजोस्पाइरिलम, एजिटोबेक्टर, पी. एस. बी., के. एस. बी., जेड. एस. बी., स्यूडोमोनास, ट्राइकोडर्मा, जवाहर बायोडाइजेस्टर–1 एवं 2, ई. एम., बी. जी. ए., माइकोराईजा एवं बैक्टोबूस्टर की विस्तार से जानकारी, किचन गार्डन व गमलों में जैव उर्वरकों का बेहतर लाभ हेतु उपयोग की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के महत्वपूर्ण औषधीय व सगंध पौधों व उपयोगिता इस क्षेत्र में स्टार्टअप कैसे प्रारंभ करें, विषय पर विस्तार से जानकारी डॉ. ज्ञानेन्द्र तिवारी, प्राध्यापक द्वारा प्रदान की गई। प्रशिक्षण में श्री बबलू यदुवंशी, श्री सयोग मिश्रा व श्री राजकुमार काछी का सहयोग प्राप्त हुआ।